वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा के विकास हेतु अंतरराष्ट्रीय हिंदी संस्था 'विश्वविश्वहिंदीजन' की स्थापना

(https://vishwahindijan.blogspot.in/)

प्रदर्शनकारी कला विभाग में पी-एच.डी. के शोधार्थी कुमार गौरव मिश्रा एवं एम.फिल. की शोधार्थी कविता सिंह चौहान द्वारा वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा के विकास हेतु 'विश्वविश्वहिंदीजन' नामक एक अंतरराष्ट्रीय संस्था का निर्माण किया गया है. संस्था को विश्वभर के हिंदी सेवी एवं विद्वतजनों का सहयोग प्राप्त हुआ है. **'विश्वविश्वहिंदीजन' जनकृति अंतरराष्ट्रीय पत्रिका का हिंदी प्रेमियों को समर्पित अंतरराष्ट्रीय मंच है.** यह मंच संपूर्ण विश्व में हिंदी भाषा के विकास हेतू समर्पित हिंदी सेवियों, विश्व हिंदी संस्थानों इत्यादि के कार्य को सभी हिंदी प्रेमियों तक पहुंचाना है. विश्वहिंदीजन आप सभी के सहयोग से कार्य करने वाला मंच है अतः इसका संचालन आप सभी के द्वारा होगा. जनकृति अंतरराष्ट्रीय पत्रिका निरंतर हिंदी भाषा के विकास हेतू कार्य रही है. इसी दिशा में विश्वहिंदीजन का निर्माण किया गया है.

विश्वहिंदीजन निम्नलिखित स्तर पर कार्य करेगा-

- संपूर्ण विश्व में हिंदी भाषा के विकास में कार्यरत विद्वानों, संस्थाओं इत्यादि के कार्यों का संकलन.
- संपूर्ण विश्व में हिंदी सामग्री को अनुवाद इत्यादि के माध्यम से पहुँचाना.
- विश्व हिंदी संस्थानों, अकादमियों इत्यादि के माध्यम से उत्कृष्ट रचनाओं का प्रकाशन.

- सूचना प्रौद्योगिक के क्षेत्र में हिंदी के विकास हेतू कार्य करना
- हिंदी पत्र-पत्रिकाओं, पुस्तकों का संकलन
- विश्व की उकृष्ट रचनाओं का हिंदी अनुवाद
- विश्व स्तर पर कार्य रहे है हिंदी सेवियों, हिंदी संस्थानों इत्यादि के सहयोग से हिंदी सम्मलेन, संगोष्ठियों एवं चर्चाओं का आयोजन.
- हिंदी भाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए हिंदी सेवियों को सम्मान प्रदान करना
- हिंदी भाषा के विकास में युवा प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करना, युवा लेखकों के कार्यों को प्रोत्साहन देना
- विश्व के सभी देशों में हिंदी के शिक्षण-प्रशिक्षण, पठन-पाठन को प्रारंभ करने एवं हिंदी भाषा में रचित उत्कृष्ट रचनाओं को पहुंचाने के लिए 'हिंदी मैत्री' नाम से समूह का संचालन
- कला के विभिन्न माध्यमों द्वारा हिंदी का विकास

हिंदी प्रकाशकों हेतू

- हिंदी में रचित उत्कृष्ट रचनाओं के प्रकाशन हेतू आप विश्वहिंदीजन से जुड़ सकते हैं. विश्वहिंदीजन से विश्वभर के प्रसिद्द हस्ताक्षर एवं युवा लेखक जुडें हैं. हम विश्वहिंदीजन के माध्यम से उनकी उत्कृष्ट रचनाओं को प्रकाक्षण हेतू आपके पास भेजेंगे. पुस्तक प्रकाशन हेतू लेखकों से किसी भी प्रकार की राशि नहीं ली जाएगी. संपूर्ण विश्व में पुस्तक का प्रचार-प्रसार विश्वहिंदीजन एवं जनकृति अंतरराष्ट्रीय पत्रिका द्वारा किया जाएगा.
- युवा लेखक, छात्रों का उकृष्ट कार्य धन के अभाव में एवं प्रकाशकों की कड़ी नियमावली के कारण प्रकाशित नहीं हो पाता विश्वहिंदीजन चाहता है कि आप लेखकों, छात्रों के लिए स्वस्थ वातावरण का निर्माण करें. आपके द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का देश-विदेश की विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया जाएगा ताकि इन रचनाओं को वैश्विक स्तर पर पहुंचाया जा सके.

हिंदी संस्थानों हेतू

- संपूर्ण विश्व में हिंदी भाषा के विकास में समर्पित हिंदी संस्थानों से हम आग्रह करते हैं कि आप विश्वहिंदीजन से जुडें एवं विश्व के सभी देशों में हिंदी भाषा को पहुंचाने,लेखकों को प्रोत्साहित करने एवं हिंदी में रचित उत्कृष्ट रचनाओं को प्रचारित-प्रसारित करने में सहयोग करें.
- विश्वहिंदीजन हिंदी भाषा के विकास में पूर्णतः समर्पित है हमें आशा है कि आपकी तरफ से आर्थिक एवं अन्य सहयोगों के द्वारा हम उचित दिशा में कार्य कर सकेंगे.

हिंदी सेवियों, लेखकों हेतू

- आप सभी हिंदी सेवियों एवं लेखकों का हम हिन्दीजन में स्वागत है. आप विश्वहिंदीजन में अपनी रचनाएं एवं हिंदी भाषा से संबंधित कार्यों को हमें भेज सकते हैं. हम अपने प्रतिनिधियों द्वारा आपके कार्यों, कृतियों को वैश्विक स्तर तक पहुचाएंगे.
- आपके सहयोग से संपूर्ण विश्व में न केवल हिंदी की उत्कृष्ट सामग्री का प्रचार होगा बल्कि हिंदी भाषा में रचित सामग्री एवं आपके कार्यों से हिंदी भाषा के प्रति अहिंदी भाषी क्षेत्रों में हिंदी के प्रति रुझान बढेगा.

इसके अतिरिक्त यदि आपके पास भी कोई सुझाव हो अथवा व्यक्तिगत तौर पर आप सहयोग करना चाहें तो आपका स्वागत है. इस मंच से जुड़ने हेतू आप हमेंvishwahindijan@gmail.com पर मेल करें इस मंच को सभी तक पहुंचाने हेतू आप इसकी जानकरी हिंदी सेवियों से साझा करें. अधिक जानकरी हेतु संपर्क करें.

कुमार गौरव मिश्रा
संस्थापक एवं अध्यक्ष
संपादक- जनकृति अंतरराष्ट्रीय पत्रिका
8805408656
kumar.mishra00@gmail.com,

कविता सिंह चौहान
संस्थापक एवं सचिव
सह-संपादक: जनकृति अंतरराष्ट्रीय पत्रिका
kavitasingh.996@gmail.com,
vishwahindijan@gmail.com